ई-कॉमर्स इंडस्ट्री से जुड़ेंगे खादी उत्पाद : राकेश सचान

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : खादी उत्पादों को ई-कॉमर्स इंडस्ट्री से जोड़ा जाएगा। इससे उद्यमियों को बड़ा बाजार मिलेगा और उन्हें आर्थिक फायदा होगा। यह बात खादी मंत्री राकेश सचान ने बुधवार को गोमती नगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग एक्सपो-2025 के उद्घाटन अवसर पर कही। प्रदर्शनी 10 फरवरी तक चलेगी। प्रदर्शनी में मंडल स्तर पर उत्कृष्ट काम करने वाले उद्यमियों को यहां पुरस्कृत किया गया।

मंडल स्तरीय खादी एक्सपो-2025 में सम्मानित की गईं प्रतिभाएं

राकेश सचान ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग सेक्टर के तहत वर्ष 2023-24 में 3,90,267 व्यक्तियों को रोजगार मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21% अधिक था। 2024-25 में 66,640 नवयुवकों व नवयुवतियों को रोजगार और टूलकिट्स बांटकर रोजगार उपलब्ध करवाया गया। खादी को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर युवा पीढ़ी को आकर्षित किया जा रहा है और निफ्ट जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से खादी परिधान तैयार किए जा रहे हैं। लखनऊ मंडल के इस एक्सपो में 120 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, पश्चिम बंगाल और राजस्थान से आए उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। सहारनपुर के नक्काशीदार फर्नीचर, भदोही की कालीन, कन्नौज के मिट्टी के बर्तन, प्रतापगढ़ का आंवला मुरब्बा, कानपुर का हैंडीक्राफ्ट, अमरोहा की चादरें, सीतापुर के तौलिये व दरी, लखनऊ का शुद्ध रॉयल हनी, वाराणसी की सिल्क साड़ियां, बीकानेर के पापड़ व नमकीन, उत्तराखंड के ऊनी वस्त्र और गुजरात व राजस्थान के हस्तशिल्प से निर्मित परिधान प्रमुख आकर्षण का केंद्र हैं।

इनको मिला पुरस्कार और उपकरण

सीतापुर की शाहिन बानो को प्रथम पुरस्कार (15,000 रुपये), उन्नाव के आशुतोष को द्वितीय पुरस्कार (12,000 रुपये) और रायबरेली के सत्यम को तृतीय पुरस्कार (10,000 रुपये) दिया गया। लखनऊ के छह लाभार्थियों को स्वरोजगार के लिए उपकरण वितरित किए गए, जिनमें विजय लक्ष्मी व अनिल कुमार को दोना पत्तल मेकिंग मशीन, कलावती व लक्ष्मी देवी को पॉपकॉर्न मशीन और लियाकत अली व नूर आलम को विद्युत चालित चाक दिया गया।